अपनी बात

निस्केयर
NISCAIR

विज्ञान प्रगति

मार्च 2019

निदेशक
डॉ. मनोज कुमार पटैरिया

सम्पादक
डॉ. बालकराम

सम्पादन सहायक
शुभदा कपिल

प्रोडक्शन अधिकारी
पंकज गुप्ता

कला अधिकारी
नीरू विजन

वरिष्ठ बिक्री एवं वितरण अधिकारी
लोकेश कुमार चोपड़ा

आवरण
नीरू विजन

खतरे में है वन्य जीवन

पिछले काफी दिनों से खबरें आ रही हैं कि कुछ वन्यजीवों ने बस्तियों में घुसकर इंसानों को नुकसान पहुँचाया। हमें यह समझना होगा कि पिछले कुछ वर्षों में हमारी जनसंख्या बढ़ी है जबकि टाइगर आदि प्राणियों की संख्या में लगातार कमी आई है, इसीलिए हम इन प्राणियों के हितों की रक्षा करनी है। यह चिंता का विषय है कि हमारे राज्यपक्षी सोहन चिड़िया की संख्या आज 100 से भी कम है। इसका कारण अत्यधिक शहरीकरण के साथ इनके अण्डों का प्राप्त होने से पूर्व ही नष्ट होना है। बाघों की संख्या में इजाफा एक ओर अच्छा है लेकिन सोहन चिड़िया की प्रजाति को लुप्त होने से पहले हमें बचाना होगा।

विश्व वन्यजीव दिवस 2019 में "पानी के नीचे जीवनः लोगों और ग्रह के लिए" विषय के तहत मनाया जाएगा, जो संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के लक्ष्य 14 के साथ संरेखित करता है। पानी के नीचे जीवन पर ध्यान केंद्रित करने वाला यह पहला विश्व वन्यजीव दिवस है। यह समुद्री जीवन की लुभावनी विविधता, मानव विकास के लिए समुद्री प्रजातियों के महत्वपूर्ण महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक महान अवसर है, महासागर में लगभग 200,000 प्रजातियों की पहचान की गई है, लेकिन वास्तविक संख्या लाखों में हो सकती है। वैश्विक स्तर पर समुद्री और तटीय संसाधनों और उद्योगों के बाजार मूल्य का अनुमान प्रति वर्ष 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर, वैश्विक जीडीपी का लगभग 5% है। तीन अरब से अधिक लोग अपनी आजीविका के लिए समुद्री और तटीय जैव विविधता पर निर्भर हैं। समुद्री वन्यजीवों ने मानव सभ्यता और विकास को सहस्राब्दियों तक बनाए रखा है, भोजन और पोषण प्रदान करने से लेकर हस्तशिल्प और निर्माण के लिए सामग्री तक। इसने हमारे जीवन को सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और अलग-अलग तरीकों से समृद्ध किया है।

इन सेवाओं को प्रदान करने के लिए पानी के नीचे जीवन की क्षमता बुरी तरह से प्रभावित होती है, क्योंकि हमारे ग्रह के महासागरों और इसके भीतर रहने वाली प्रजातियां खतरों के हमले से गुजर रही हैं। 40% महासागर अब समुद्री प्रजातियों के शोषण के साथ-साथ अन्य खतरों जैसे- प्रदूषण, तटीय आवासों के नुकसान और जलवायु परिवर्तन के सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष खतरे से बहुत अधिक प्रभावित हैं। ये खतरे उन लोगों के जीवन और आजीविका पर एक मजबूत प्रभाव डालते हैं।

हमें राष्ट्रीय उद्यानों को गर्व का मानक समझना होगा और इसकी रक्षा करने पर विचार करना होगा और यह तभी संभव होगा जब हम पर्यावरण के प्रति सचेत एवं दयालु रहेंगे। वन्यजीवों का संरक्षण बिल्कुल मुमकिन है, इसके लिए हम सभी आगे आएं और जागरूकता फैलाने के साथ इसमें महत्वपूर्ण हिस्सा बनें। हमें अपने राज्य की वनस्पति एवं जीवों को बचाने हेतु आज शपथ लेनी होगी जिससे इसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिले।

मूल्य

एक अंक	:	30.00 रुपये
एक वर्ष	:	300.00 रुपये
दो वर्ष	:	570.00 रुपये
तीन वर्ष	:	810.00 रुपये

विदेशी वार्षिक सदस्यता : 65$
शिकायत : 011-25841647
ई-मेल : lkc@niscair.res.in

सम्पादकीय : 011-25841769, 011-25846301, 04-07/370
प्रोडक्शन : 011-25847353, 25846301, 04-07/217, 337
विज्ञापन : 011-25843359
बिक्री : 011-25841647, 25846301, 04-07/286, 289
फैक्स : 011-25847062
ई-मेल : vp@niscair.res.in
वेब साइट : http://www.niscair.res.in

© राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान
लेखकों के कथनों ओर मतों के लिये सी.एस.आई.आर. -राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान, डॉ. के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली - 110 012 उत्तरदायी नहीं है।
पत्रिका से संबंधित सभी विवाद दिल्ली न्यायालय द्वारा ही निपटाये जायेंगे।